लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........
दिनांक...4...4...2020... पृष्ठ सं.......3....... कॉलम.......5...

ह.कृ.वि. कुलपति ने वी.सी. के जरिए शिक्षण कार्यों की समीक्षा की

हिसार, 3 अप्रैल (ब्यूरो): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. के.पी.सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से वीडियो कान्फ्रैंसिंग के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान, कृषि विस्तार एवं अन्य कार्य की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो इसके लिए ऑनलाइन स्टडी सामग्री प्रदान करने के लिए अधिष्ठाता, मौलिक व मानविकी विज्ञान महाविद्यालय व अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं टैक्नोलॉजी महाविद्यालय द्वारा अब तक किए गए प्रयासों को जाना व सम्बंधित कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए उचित दिशा-निर्देश भी दिए।

उन्होंने निदेशक विस्तार-शिक्षा, निदेशक-अनुसंधान से विश्वविद्यालय के फार्म, कृषि विज्ञान केंद्रों व रिसर्च सैंटर के फार्म पर अनुसंधान आदि के लिए लगाई गई फसलों की कटाई को मशीनों द्वारा कटवाने और आवश्यकता पड़ने पर लेबर द्वारा प्रशासन की अनुमति व समय-समय पर सरकार के सभी दिशा-निर्देशों को मानते हुए करवाने पर जोर दिया।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ...... अमर उजाला ......

दिनांक 4.4.2020 ...... पृष्ठ सं. 2 ...... कॉलम 1-2

कुलपति ने की वीसी के जरिये शिक्षण अनुसंधान और कृषि कार्यों की समीक्षा

हिसार। एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाताओं, निदेशकों, अधिकारी, कुलसचिव, एसएचओ आदि से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षण, अनुसंधान, कृषि विस्तार एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने विवि के विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए ऑनलाइन पाठ्य सामग्री प्रदान करने के लिए अधिष्ठाता, मौलिक व मानविकी विज्ञान महाविद्यालय व अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं टेक्नोलॉजी महाविद्यालय द्वारा अब तक किए गए प्रयासों को जाना व संबंधित कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए दिशा- निर्देश भी दिए।

कोविड-19 से सतर्कता : ह.कृ.वि. के दोनों अंतर्राष्ट्रीय छात्रावासों को किया सैनिटाइज

हिसार, 4 अप्रैल (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह द्वारा विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देशानुसार यहां स्वास्थ्य अस्पताल की टीम ने विश्वविद्यालय 2 अंतर्राष्ट्रीय छात्रावासों का दौरा किया। वहां इन छात्रावासों के कमरों, रसोई घर, कामन कोरिडोरस को सोडियम हाइपोक्लोराइड घोल से सैनिटाइज किया। सभी छात्रों के साथ वन-टू-वन काउंसलिंग की गई, जिसमें छात्रों ने भी अपनी-अपनी स्वास्थ्य सम्बन्धी अतिरिक्त जानकारियां भी हासिल कीं, साथ ही सम्बन्धित सलाह व परामर्श भी लिया। छात्रों को अतिरिक्त सुरक्षा कवच के सुझावों के साथ मास्क भी वितरित किए गए।

इसके बाद टीम ने जिला प्रशासन द्वारा हकृवि में चल रहे फार्मर्स हॉस्टल में चल रहे क्वारंटाइन सैंटर का दौरा किया। इस टीम में डा. अजीत लाठर, डा. शिल्पी और विश्वविद्यालय अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी डा. अशोक चौधरी, निदेशक छात्र कल्याण डा. देवेंद्र सिंह दहिया, सह-छात्र निदेशक कल्याण डा. जीतराम शर्मा व मंजू मेहता व अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास के वार्डन, डा. सुरेंद्र यादव व डा. जयंती टोकस शामिल रहे।

छात्रावास में छात्रों के साथ चर्चा करती चिकित्सीय टीम।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

र पत्र का नाम........ दैनिक जागरण ....
5. 4. 2020 पृष्ठ सं...... 3 ...... कॉलम 4-6

गेहूं की पौध बचाने को एचएयू मांग रहा पास देरी हुई तो नए प्रयोग हो सकते हैं प्रभावित

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में करीब 22 से 25 एकड़ अपने फार्म पर गेहूं की अलग-अलग किस्मों को लगाई हुई हैं। यहां पर इन पौधों के माध्यम से प्रयोग किए जाते हैं। वैज्ञानिक आंकलन करते हैं कि कौन सी फसल किस प्रकार से सक्षम है।

ऐसे में लॉकडाउन होने के कारण यहां फार्म पर आगे के कार्य नहीं हो पा रहे थे। प्रशासन ने पास जारी करने की व्यवस्था की तो एचएयू ने आवेदन कर दिया। अब चार अप्रैल से गेहूं कटाई का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में इन पौधों में हार्वेस्टिंग व सिलेक्शन का काम नहीं किया गया तो वैज्ञानिकों की मेहनत बेकार जा सकती है। यह सब काम प्रशासन द्वारा लॉकडाउन की स्थिति में जारी होने वाले पास के कारण अटका हुआ है।

लॉकडाउन पास के लिए पूरा किया प्रोसेस, नहीं मिला पास : वैज्ञानिकों की मानें तो लॉकडाउन की स्थिति में उन्हें बताया गया था कि जिन वैज्ञानिकों को यह काम कराना है और जिन कर्मचारियों को साथ लेना है उनका नाम, आधार नंबर जैसी जानकारियां भरकर देनी होंगी। एचएयू प्रशासन ने यह मुहैया भी करा दी, अब उनके पास पास जारी करने वाले अथॉरिटी से फोन आया है कि सभी के दो-दो फोटो मुहैया कराएं। ऐसे में अब इस काम में हो रही देरी वैज्ञानिकों को चिंता में डाल रही है।

गेहूं के साथ दूसरी फसलों में भी होगी देरी

इस प्रकार से पास जारी करने के इंतजार में बैठे कर्मचारियों और कृषि वैज्ञानिकों को गेहूं ही नहीं बल्कि दूसरी फसलों में भी पास को लेकर दिक्कत आ सकती है। ऐसे में पास की व्यवस्था को सार्वजनिक रूप से सही करने की आवश्यकता है। इस मामले पर प्रशासन की तरफ से एडीसी विवेक पदम सिंह को फोन पर संपर्क किया गया मगर संपर्क नहीं हो सका।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ अमर उजाला ....
दिनांक.... 5. 4. 2020 .... पृष्ठ सं.... 4 .... कॉलम....

छात्रावासों का किया चिकित्सीय निरीक्षण

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देशानुसार शनिवार को स्थानीय अस्पताल की टीम, जिसमें डॉ. अजीत लाठर, डॉ. शिल्पी और विश्वविद्यालय अस्पताल के चिकित्सक अधिकारी डॉ. अशोक चौधरी, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, सह छात्र निदेशक कल्याण डॉ. जीत राम शर्मा, मंजू महता, अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के वार्डन डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. जयंती ने यहां दो अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों का दौरा किया। इसके बाद टीम ने जिला प्रशासन ने हकृवि में चल रहे क्वारंटीन सेंटर का दौरा किया। विश्वविद्यालय स्थित कैंपस अस्पताल की सेवाएं खुली रहती हैं, जहां कॉल करके एंबुलेंस सेवा भी हर समय ली जा सकती है।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसा

समाचार पत्र का नाम........ दैनिक भास्कर

दिनांक 5. 4. 2020 पृष्ठ सं. 4 .... कॉलम.

एचएयू में बने क्वारेंटाइन सेंटर के बाहर तैनात टीम।

एचएयू के अंतरराष्ट्रीय हॉस्टल और क्वारेंटाइन सेंटर का किया दौरा

हिसार| कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर शनिवार को कुलपति डा. केपी सिंह के निर्देश पर स्थानीय अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने विवि के अंतरराष्ट्रीय हॉस्टलों का दौरा किया। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हासिल की। इसके अलावा मास्क का भी वितरण किया गया।

कुलपति ने बताया कि टीम द्वारा हॉस्टल के बाथरूम, रसोईघर को भी सेनिटाइज कराया गया। इसके अलावा सभी छात्रों के साथ वन-टू-वन काउसलिंग की गई। जिसमें छात्रों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हासिल की। सलाह व परामर्श भी दिया गया। छात्रों को अतिरिक्त सुरक्षा बरतने के सुझावों के साथ मास्क भी वितरित किए गए। इसके बाद टीम ने जिला प्रशासन द्वारा एचएयू में चल रहे फार्मर्स हॉस्टल में चल रहे क्वारनटांइन सेंटर का दौरा किया । मौजूद लोगों से खान पान के बारे में जानकारी हासिल की।

ग्राउंड रिपोर्ट एचएयू और जीजेयू में बनाए केंद्रों में हैं 19 महिला और पुरुष, सीएमओ से लेकर अन्य अधिकारी भी ले रहे जायजा

क्वारेंटाइन्स का दोस्त और रिश्तेदार फोन कर बढ़ा रहे हौसला

पुलिस के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम की तैनाती, दिन-रात रखी जा रही नजर, बार-बार कर रहे स्वास्थ्य जांच

महबूब अली | हिसार

शहर के एचएयू और जीजेयू में कोरोना पीड़ित के संपर्क में रहने और बाहर से आने वाले लोगों को 14 दिन तक होम क्वारेंटाइन करने के लिए केंद्र बनाए गए हैं। इनमें रहने वाले लोगों की देखरेख की जिम्मेदारी अलग अलग लोगों को सौंपी गई है।

आला अधिकारियों ने सोशल डिस्टेंसिंग के साथ खानपान की व्यवस्था, सेनिटाइजेशन, शौचालय, स्नान आदि का भी पूरा इंतजाम किया है। सभी जगह पर पुलिस से लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम की तैनाती की गई है। शहर में 19 लोगों को होम क्वारेंटाइन केंद्र में रखा गया है। भास्कर रिपोर्टर ने शनिवार को शहर के एचएयू और जीजेयू में बनाए गए क्वारेंटाइन केंद्रों में जाकर स्थिति का जायजा लिया। केंद्र सुविधाओं से पूरी तरह से लैस मिले।

जीजेयू के केंद्र में जाती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

• जीजेयू का क्वारेंटाइन केंद्र, दोपहर 12 बजे

यहां पर फायर ब्रिगेड की टीम केंद्र और आसपास क्षेत्र को कीटनाशक दवाई का छिड़काव कर सेनिटाइज करने में लगी हुई थी। तीन पुलिस कर्मियों के अलावा नोडल अधिकारी डॉ. कुलदीप और दो अन्य डाक्टरों को केंद्र के अंदर रखे गए 10 लोगों की देखरेख को तैनात किया गया है। केंद्र के अंदर रहने वाली महिला और अन्य ने बताया कि केंद्र पूरी तरह से सुविधाओं से लैस है। अब साथी व रिश्तेदार भी काल कर उनका हौसला बढ़ा रहे है। नोडल अधिकारी डा. कुलदीप ने बताया कि केंद्र के अंदर रह रहे लोगों के स्वास्थ्य का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। खाने से लेकर पीने की कोई परेशानी नहीं है।

ब्राह्मण धर्मशाला में ठहरे हुए लोग एक दूसरे के दूरी बनाकर आराम करते हुए।

• एचएयू स्थित किसान हॉस्टल -दोपहर 1 बजे

यहां पर सिविल अस्पताल के सिक्योरिटी गार्ड, वार्ड ब्वॉय समेत 9 लोगों को रखा गया है। यहां पर भी केंद्र को फायर ब्रिगेड की टीम सेनिटाइज कर रही थी। इसके अलावा पुलिस और प्रशासन की टीम भी अलग से तैनात की गई थी। केंद्र के अंदर रह रहे दो सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि उन्हें पहले दिन जरूर खाने में थोड़ी बहुत परेशानी हुई थी मगर अब घर से भी अच्छा खाना मिल रहा है। यहीं नहीं दिन में तीन से लेकर चार बार स्वास्थ्य टीम भी जांच को पहुंचती है। केंद्र से लेकर सेनिटाइजर मास्क की भी पूरी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा शौचालय की सफाई कराई जा रही है।

एचएयू में बने क्वारेंटाइन सेंटर के बाहर तैनात टीम।

एचएयू के अंतरराष्ट्रीय हॉस्टल और क्वारेंटाइन सेंटर का किया दौरा

हिसार| कोरोना महामारी से बचाव के मद्देनजर शनिवार को कुलपति डा. केपी सिंह के निर्देश पर स्थानीय अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने विवि के अंतरराष्ट्रीय हॉस्टलों का दौरा किया। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हासिल की। इसके अलावा मास्क का भी वितरण किया गया।

कुलपति ने बताया कि टीम द्वारा हॉस्टल के बाथरूम, रसोईघर को भी सेनिटाइज कराया गया। इसके अलावा सभी छात्रों के साथ वन-टू-वन काउंसलिंग की गई। जिसमें छात्रों से उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी हासिल की। सलाह व परामर्श भी दिया गया। छात्रों को अतिरिक्त सुरक्षा बरतने के सुझावों के साथ मास्क भी वितरित किए गए। इसके बाद टीम ने जिला प्रशासन द्वारा एचएयू में चल रहे फार्मर्स हॉस्टल में चल रहे क्वारंटाइन सेंटर का दौरा किया। मौजूद लोगों से खान पान के बारे में जानकारी हासिल की।

चिकित्सा अधिकारी ले रहे जायजा

केंद्र के अंदर रहने वाले लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सीएमओ से लेकर अन्य अधिकारी भी जायजा ले रहे हैं। कॉल कर भी लोगों का हाल जाना जा रहा है। मातहतों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।

घृणा करने लगे थे लोग, अब दे रहे हिम्मत, घर जैसा है अपनापन

एचएयू और जीजेयू के क्वारेंटाइन केंद्र के अंदर ठहरे लोगों ने कहा कि जब उन्हें शुरुआत में 31 मार्च को केंद्र के अंदर भेजा गया था तो कुछ लोग घृणा की दृष्टि से देखने लगे थे। उनके पास किसी की कॉल भी नहीं आ रही थी। अब दोस्त से लेकर रिश्तेदार कॉल कर हिम्मत बढ़ा रहे हैं, उन्हें ऐसा लग ही नहीं रहा है कि वह क्वारेंटाइन केंद्र के अंदर है। देखरेख करने वाले भी परिवार के सदस्यों की तरह ही पेश आ रहे हैं। जिससे उनका हौसला बढ़ रहा है।

रेलवे मैसेज से कर रहा जागरूक सुरक्षा कवच की तरह क्वारेंटाइन

भास्कर न्यूज | हिसार

क्वारेंटाइन हौवा नहीं है, बल्कि यह आपका और परिवार, समाज का सुरक्षा कवच है। इस सुरक्षा कवच में रहकर हम देश, समाज और परिवार की सेवा कर सकते हैं। 14 दिन के क्वारेंटाइन में रखने का मकसद यह है कि कोरोना का लक्षण भी इतने दिन में आता है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के इस नियम का पालन सभी को करना चाहिए। रेलवे क्वारेंटाइन का पालन करने के लिए यात्रियों के पास ऑडियो से लेकर मैसेज भेजकर जागरूक कर रहा है। लॉक डाउन का भी पालन करने की अपील की जा रही है।

होम क्वारेंटाइन में यह होता है : होम क्वारेंटाइन में व्यक्ति को अलग कमरे में रखा जाता है।। स्वास्थ्य व्यक्ति ही 14 दिनों तक एक मीटर की दूरी से भोजन उपलब्ध कराएगा। व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा समय कमरे में ही बिताना चाहिए। इस दौरान वह जरूरत के सभी संसाधन का प्रयोग कमरे में रहकर ही कर सकता है। केंद्र के अंदर पूरी सुविधा उपलब्ध होती है।

क्वारेंटाइन इन बातों का रखें ख्याल

रेलवे जागरूक कर रहा है कि क्वारेंटाइन के 14 दिनों तक बाहर निकलने पर पाबंदी होती है। अगर सांस फूले, खांसी, बुखार होता है तो ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्य टीम को अवगत कराना चाहिए।

लॉकडाउन का पूरी तरह पालन करें

कोरोना महामारी को खत्म करने के लिए लॉक डाउन का हर किसी को पालन करना चाहिए। बाहर निकलने से बचना चाहिए।" - **संजय श्री वास्तव**, सीआरएम, बीकानेर डिविजन।

एचएयू के दोनों इटंरनेशनल छात्रावासों का किया सैनिटाइज

हिसार, 5 अप्रैल (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह द्वारा विश्विद्यालय के अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा- निर्देशानुसार सिविल अस्पताल, हिसार की टीम जिसमें दो चिकित्सक डॉ अजीत लाठर व डॉ शिल्पी और विश्वविद्यालय अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक अधिकारी डॉ. अशोक चौधरी, निदेशक छात्र कल्याण डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया, सह- छात्र निदेशक कल्याण डॉ. जीत राम शर्मा व मंजू महता व अंतरराष्ट्रीय छात्रावास के वार्डनस, डॉ. सुरेन्द्र यादव व डॉ. जयन्ती टोक्स ने दो अंतरराष्ट्रीय छात्रावासों का दौरा किया। यहां के बाथरूम, रसोईघर, कमरे व कोरिडोरस को सोडियम हाइपोक्लोराइड एक प्रतिशत स्प्रे से सैनेटाइज किया। सभी छात्रों के साथ वन-टू-वन काउसलिंग की गयी जिसमे छात्रों ने भी अपनी-अपनी स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त जानकारियां भी हासिल की व सम्बधित सलाह व परामर्श भी लिया। छात्रों को अतिरिक्त सुरक्षा बरतने के सुझावों के साथ मास्कस भी वितरित किए गए।